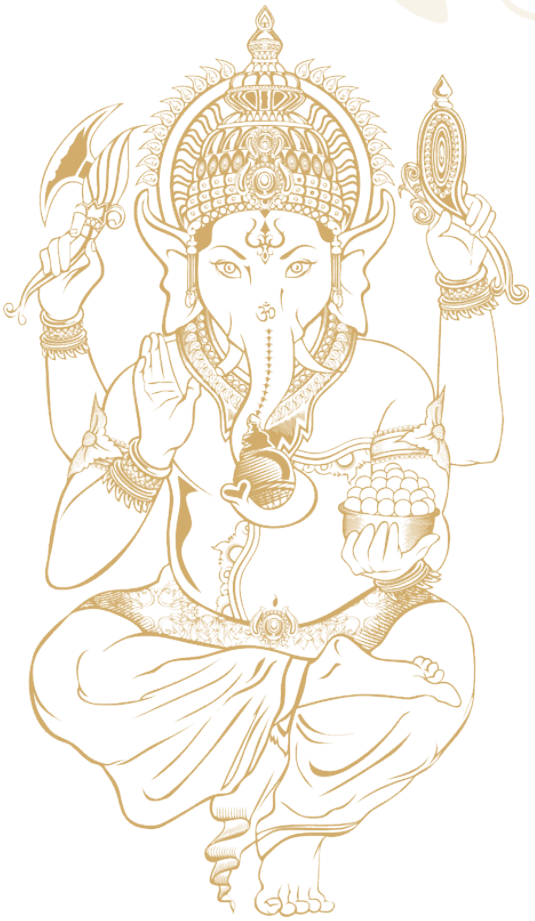

Sudhir

01 May 1961

05:00 AM

Hardoi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121299504

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-01/05/1961**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	58:39:47 घटी
स्थान	**Hardoi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:23:00 उत्तर
रेखांश	80:06:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:50:24 घंटे
वेलान्तर	00:02:46 घंटे
साम्पातिक काल	19:25:03 घंटे
सूर्योदय	05:32:05 घंटे
सूर्यास्त	18:42:06 घंटे
दिनमान	13:10:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	17:02:53 मेष
लग्न के अंश	05:52:54 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्यतिपात
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	05:52:54	473:20:44	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	---
सूर्य			मेष	17:02:53	00:58:13	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			तुला	19:34:30	13:33:50	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
मंगल			कर्क	04:05:48	00:30:19	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	नीच राशि
बुध		अ	मेष	15:52:53	02:08:27	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	सम राशि
गुरु			मक	12:52:54	00:04:33	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	नीच राशि
शुक्र	व		मीन	19:27:07	00:02:52	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि			मक	06:28:44	00:00:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		सिंह	10:38:39	00:10:43	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	10:38:39	00:10:43	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कर्क	28:20:28	00:00:05	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
नेप	व		तुला	16:37:33	00:01:38	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
प्लूटो	व		सिंह	12:17:23	00:00:29	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
दशम भाव			धनु	26:19:46	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:51

लग्न-चलित

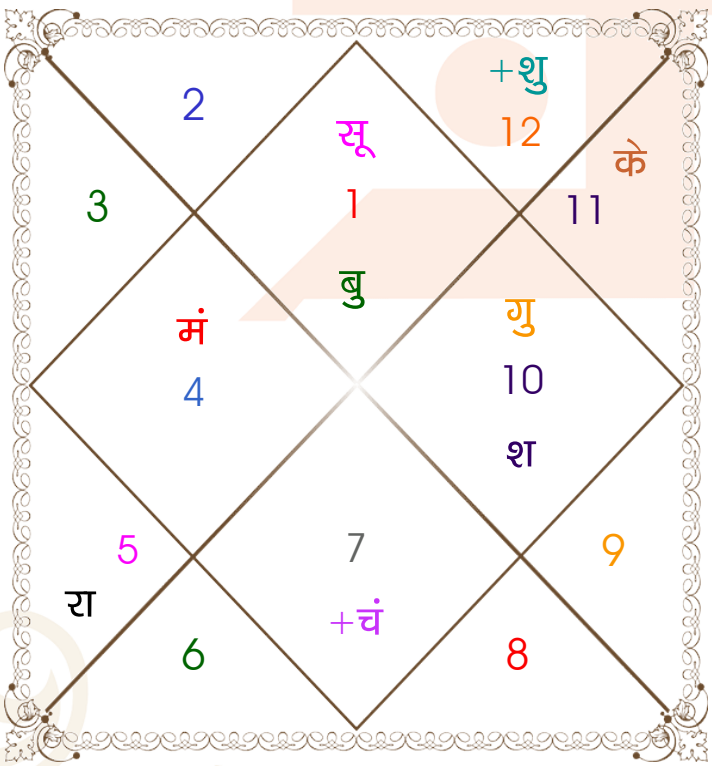

चन्द्र कुंडली

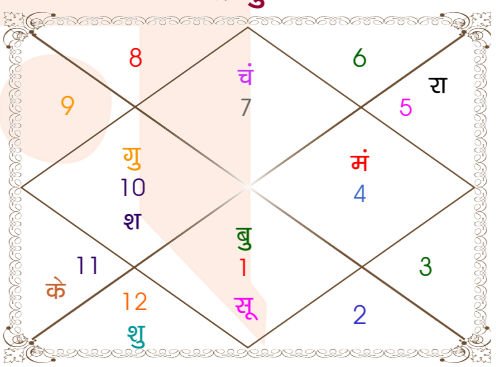

नवमांश कुंडली

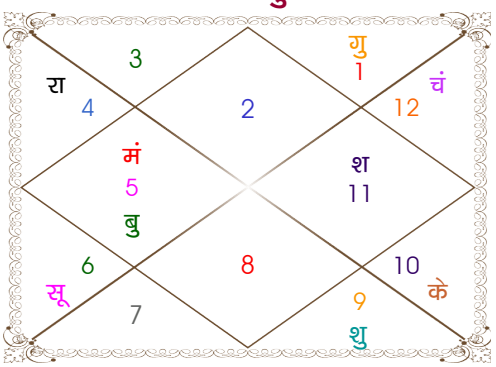

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 6 मास 26 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
01/05/1961		26/11/1961		26/11/1977		26/11/1996		26/11/2013	
26/11/1961		26/11/1977		26/11/1996		26/11/2013		26/11/2020	
	00/00/0000	गुरु	15/01/1964	शनि	29/11/1980	बुध	25/04/1999	केतु	24/04/2014
	00/00/0000	शनि	28/07/1966	बुध	09/08/1983	केतु	21/04/2000	शुक्र	25/06/2015
	00/00/0000	बुध	02/11/1968	केतु	17/09/1984	शुक्र	20/02/2003	सूर्य	30/10/2015
	00/00/0000	केतु	09/10/1969	शुक्र	18/11/1987	सूर्य	27/12/2003	चंद्र	30/05/2016
	00/00/0000	शुक्र	09/06/1972	सूर्य	30/10/1988	चंद्र	28/05/2005	मंगल	27/10/2016
	00/00/0000	सूर्य	28/03/1973	चंद्र	31/05/1990	मंगल	25/05/2006	राहु	14/11/2017
	00/00/0000	चंद्र	28/07/1974	मंगल	10/07/1991	राहु	11/12/2008	गुरु	21/10/2018
	01/05/1961	मंगल	04/07/1975	राहु	16/05/1994	गुरु	19/03/2011	शनि	30/11/2019
मंगल	26/11/1961	राहु	26/11/1977	गुरु	26/11/1996	शनि	26/11/2013	बुध	26/11/2020

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
26/11/2020		26/11/2040		27/11/2046		26/11/2056		27/11/2063	
26/11/2040		27/11/2046		26/11/2056		27/11/2063		01/05/2081	
शुक्र	28/03/2024	सूर्य	16/03/2041	चंद्र	27/09/2047	मंगल	24/04/2057	राहु	09/08/2066
सूर्य	28/03/2025	चंद्र	14/09/2041	मंगल	27/04/2048	राहु	13/05/2058	गुरु	02/01/2069
चंद्र	27/11/2026	मंगल	20/01/2042	राहु	27/10/2049	गुरु	19/04/2059	शनि	09/11/2071
मंगल	27/01/2028	राहु	15/12/2042	गुरु	26/02/2051	शनि	27/05/2060	बुध	28/05/2074
राहु	26/01/2031	गुरु	03/10/2043	शनि	26/09/2052	बुध	25/05/2061	केतु	15/06/2075
गुरु	26/09/2033	शनि	14/09/2044	बुध	26/02/2054	केतु	21/10/2061	शुक्र	15/06/2078
शनि	26/11/2036	बुध	21/07/2045	केतु	27/09/2054	शुक्र	21/12/2062	सूर्य	10/05/2079
बुध	27/09/2039	केतु	26/11/2045	शुक्र	27/05/2056	सूर्य	28/04/2063	चंद्र	08/11/2080
केतु	26/11/2040	शुक्र	27/11/2046	सूर्य	26/11/2056	चंद्र	27/11/2063	मंगल	01/05/2081

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 6 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।